

गोकुल संस्था

दिव्यांगजन / जरूरतमंद व्यक्तियों के सशक्तिकरण हेतु सेवा कार्य

वर्ष 2023-24

Sl.No	Activities	No. of Free Beneficiaries
1	Organization of Ayurvedic Health Camps	04
2	Organization of Awareness Program/ Upgradation of Gokul Computer Centre	02
3	Organization of Artificial Limb Camp	01
	TOTAL PROGRAMMES	07
1	Establishment of Computer Centre for Divyang person	02
2	Beneficiaries of Gokul Ayurvedic Health Care (Medicine)	188
3	Beneficiaries of Awareness Program	80
4	Beneficiaries of artificial Limbs centre	10
5	Beneficiaries of Gokul Computer Centre	32
6	Beneficiaries of Computer Centre established for Divyang persons	151
7	Beneficiaries of Education Support	07
8	Beneficiaries of Conveyance Support	20
9	Beneficiaries of Blood Pressure, Blood Sugar Test facility	188
	TOTAL	678



गोकुल का गौरव



गोकुल संस्था परमाध्यक्ष श्री मोहन जगूडी के मार्गदर्शन में दिव्यांग जीवन की आत्मनिर्भरता हेतु सतत संकल्पित है । गोकुल का विश्वास है कि दिव्यांग व्यक्ति में असीमित संचित ऊर्जा होती है , जो स्नेह और सकारात्मकता के माहौल में पल्लवित हो परिवार एवं समाज के उत्थान में सार्थक होती है । इसी कड़ी में गोकुल संस्था के लाभार्थी सेरेब्रल पाल्सी से ग्रस्त श्री दीपक नौटियाल, गोकुल संस्था द्वारा प्रदत्त आर्थिक एवं मानसिक सहयोग एवं सतत उत्साहवर्धन तथा अपनी मेहनत और लगन से आत्मनिर्भर बन सफलता के नित नवीन आयाम रच रहे हैं ।

बाल्य अवस्था में सेरेब्रल पाल्सी से ग्रस्त श्री दीपक नौटियाल ने माता पिता श्रीमती आरती तथा श्री विजय कृष्ण नौटियाल के साथ उत्तरकाशी में रहते हुये घर पर स्वयं ही शिक्षा ग्रहण करी । उनकी शारीरिक स्थिति से पिता उन्हें स्कूल भेजने को तैयार नहीं हुये ।

श्री दीपक नौटियाल की शिक्षा में रुचि को देखते हुये देहरादून रेलवे स्टेशन में कार्यरत दादा श्री एल एन नौटियाल उन्हें देहरादून ले आये । देहरादून में गोकुल संस्था के द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में परमाध्यक्ष श्री मोहन जगूडी जी द्वारा श्री दीपक नौटियाल के हाथों से दीप प्रज्वलित कर शिविर का उदघाटन किया गया । इस घटना से श्री दीपक नौटियाल के जीवन में उत्साह और उमंग का आगमन हुआ । श्री मोहन जगूडी जी द्वारा श्री दीपक नौटियाल के दादाजी को श्री दीपक नौटियाल को शिक्षा प्रदान करने उत्साहित किया गया ।

श्री दीपक नौटियाल के दादाजी ने उन्हें राजकीय प्राथमिक विद्यालय कारगी ग्रांट, देहरादून में प्रवेश दिलाया । प्रखर बुद्धि श्री दीपक नौटियाल को उनकी परीक्षा लेकर कक्षा 3 में दाखिला मिला । गणित एवं विज्ञान में विशेष रुचि होने से उन्हें अच्छे अंक प्राप्त हुये और वह प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने लगे । गोकुल संस्था द्वारा श्री दीपक नौटियाल के दादाजी से श्री दीपक नौटियाल को घर पर भी ट्यूशन कराने की सलाह तथा इसके लिये आर्थिक सहायता भी प्रदान की गयी ।

श्री दीपक नौटियाल को परीक्षा में लिखने में कठिनाई होने से परीक्षा में पूरे प्रश्न हल करना कठिन हो गया जिससे उनका आत्मबल प्रभावित हुआ । इस स्थिति में गोकुल संस्था की राय पर श्री दीपक नौटियाल के दादाजी ने उनकी समस्या को शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाया । जिसकी सुखद परिणति श्री दीपक नौटियाल तथा समस्त दिव्यांगजन को परीक्षा में एक घंटे का अतिरिक्त समय मिलने के आदेश के जारी होने में हुयी । श्री दीपक नौटियाल द्वारा 10 वी कक्षा को प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करने के बाद राजकीय इण्टर कॉलेज पटेल नगर में दाखिला लिया गया ।

श्री दीपक नौटियाल को सेरेब्रल पाल्सी की वजह से कई समस्याओं का सामना करना पडा। उनके दादाजी द्वारा हर समस्या को गोकुल संस्था के संज्ञान में लाया गया। हर समस्या पर गोकुल उनका दृढ सहारा बना रहा। श्री दीपक नौटियाल की लगन और मेहनत, उनके दादाजी का सतत अवलंबन और गोकुल संस्था के सहयोग तथा प्रेरणा की सुखद परिणति श्री दीपक नौटियाल के भारतीय स्टेट बैंक में कनिष्ठ सहायक के रूप में वर्ष 2022 में नियुक्ति के रूप में हुयी । विषम परिस्थितियों में भी जीने की चाह बनाये रखने में तथा कर्म का मार्ग प्रशस्त करने में गोकुल संस्था ने सदैव उनका साथ दिया। उनकी उपलब्धि पर संस्था द्वारा श्रीमती राधा रतूडी, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड एवं तत्कालीन अपर मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड एवं श्री आर के सिंह, उपमहाप्रबन्धक, भारतीय स्टेट बैंक, उत्तराखण्ड के कर कमलों उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।



श्री दीपक नौटियाल के भारतीय स्टेट बैंक में कनिष्ठ सहायक के रूप में नियुक्ति पर उन्हें सम्मानित करते हुये श्रीमती राधा रतूडी, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड एवं तत्कालीन अपर मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड एवं श्री आर के सिंह, उपमहाप्रबन्धक, भारतीय स्टेट बैंक, उत्तराखण्ड

गोकुल संस्था के प्रोत्साहन एवं अपनी मेहनत और लगन से श्री दीपक नौटियाल का वर्ष 2023 में भारतीय खाद्य निगम में असिस्टेंट ग्रेड ।।। में चयन हुआ। केंद्रीय ऊर्जा एवं भारी उद्योग राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल, कैबिनेट मंत्री श्री गणेश जोशी एवं राजपुर रोड विधायक श्री खजानदास द्वारा रोजगार मेले में श्री दीपक नौटियाल को नियुक्ति पत्र सौंपा गया । श्री दीपक नौटियाल अपनी दिव्यांगता को परास्त कर समाज में युवा शक्ति की प्रेरणा बन गये हैं ।



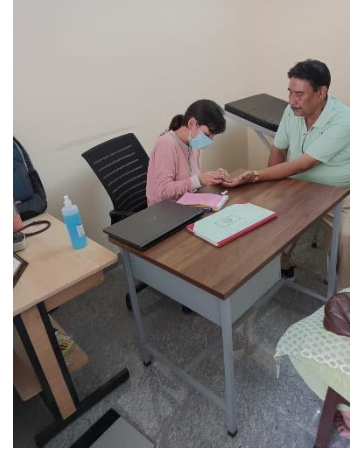
गोकुल संस्था के लाभार्थी दिव्यांग श्री दीपक नौटियाल के भारतीय खाद्य निगम में सहायक ग्रेड ।।। में चयन पर नियुक्ति प्रमाण पत्र प्रदान करते हुये माननीय श्री कृष्ण पाल, केंद्रीय ऊर्जा एवं भारी उद्योग राज्यमंत्री, माननीय श्री गणेश जोशी, कैबिनेट मंत्री, उत्तराखण्ड, माननीय श्री खजानदास, विधायक, राजपुर रोड, उत्तराखण्ड

Gokul's Journey So Far (From FY 2000-2001 to 2023-24)

S. no	Particulars	Beneficiaries
1	Total no. of Medical Camps arranged by Gokul	29
2	Total no. of Ayurvedic Health Camps arranged by Gokul	04
2	Assistance provided to camps organized by other organizations like Rotary Club. Dehradun & Social welfare Deptt., District Dehradun	10
3	Awareness Programme	40
	a. Yoga Camp	08
	b. Cultural Programme	12
	c. Health Awareness	09
	d. Self Dependent	11
	TOTAL PROGRAMMES	83
1	Number of Participants in Awareness programme	5360
2	Total no of patients examined	12335
3	Issuance of Disability Certificate in medical Camp	626
4	Types of Artificial And/Appliances distributed Or assisted in distribution in medical Camp	1678
5	Surgeries performed	252
6	Beneficiaries of Gokul Artificial Limb Centre	527
7	Beneficiaries of Gokul Computer Centre	1526
8	Beneficiaries of Gokul Physiotherapy Centre	4070
9	Beneficiaries of Miscellaneous Facilities Such as support for Education, Medicine etc	197
10	Beneficiaries of Medical Consultancy	416

11	Beneficiaries of Computer Education in Natural Calamity Affected ,hilly Distt Rudraprayag	5540
12	Beneficiaries of Computer/ Laptop Distribution	44
13	Beneficiaries of Ambulance Services	259
14	Beneficiaries of Music	55
15	Beneficiaries of Self Employment	05
16	Computer Centre Establishment for Divyang Persons	06
17	Beneficiaries of Medicine in Medical Camps	7050
18	Beneficiaries of Medicine in Gokul Ayurvedic Health Care	188
19	Beneficiaries of Ration Facility during Covid-19 Pandemic	186
20	Beneficiaries of Neo Fly Wheel Chair	02
21	Beneficiaries of Scooty with Four Wheels	02
22	Beneficiaries of Blood Pressure, Blood Sugar Test facility	338
23	Beneficiaries of ECG facility	08
	Total Number of Beneficiaries	40670
	Total no of Doctors participated in the camps	184

गोकुल आर्युवेदिक स्वास्थ्य सेवा



गोकुल संस्था द्वारा ग्राम बडकोट में दिव्यांग श्री अनुराग हारन हेतु स्थापित कम्प्यूटर केन्द्र के उदघाटन समारोह एवं जागरुकता शिविर का आयोजन दिनांक 21.04.2023



Anurag Haran is with दिव्यांग
सेवाभारतीय संस्था उत्तराखण्ड.

6m · 🌐

21/04/2023 को नगर पालिका परिषद बडकोट में गोकुल संस्था देहरादून के सहयोग से स्थापित दिशु कम्प्यूटर केन्द्र का उद्घाटन नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अनुपमा रावत व संस्था के पदाधिकारी सुश्री मधु मैखुरी जी व श्री मोहन जगुडी जी के कर कमलो द्वारा किया गया। साथ समाज सेवी श्री संजय खत्री जी व समाज सेवी डॉ॰ कपिल देव रावत जी उपस्थित थे। इसके साथ संस्था के द्वारा स्वास्थ्य कैप भी लगाया गया जिसमें करीब 60 लोगों का b p सुगर टेस्ट व मुफ्त दवाइयाँ बांटी गयीं . कम्प्यूटर सेन्टर खोलने का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को निशुल्क प्रशिक्षण व आर्थिक रूप के कमजोर बच्चों को कम फिस में प्रशिक्षण दिया जाएगा।



गोकुल संस्था द्वारा ग्राम बडकोट में आयोजित आर्युवेदिक स्वास्थ्य शिविर

दिनांक 21.04.2023

गोकुल आर्युवेदिक स्वास्थ्य केन्द्र बालावाला देहरादून द्वारा ग्राम बडकोट जनपद उत्तरकाशी में आर्युवेदिक स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन दिनांक 21.4.2023 को किया गया जिसमें डॉ. दिपिका जगूड़ी द्वारा 40 रोगियों की जांच के पश्चात निः शुल्क आर्युवेदिक दवायें प्रदान की गयी लाभार्थियों को निः शुल्क ब्लड प्रेशर जांच तथा शुगर की जांच निः शुल्क प्रदान की गयी। लाभार्थियों में अधिकांश दिव्यांगजन रहे।



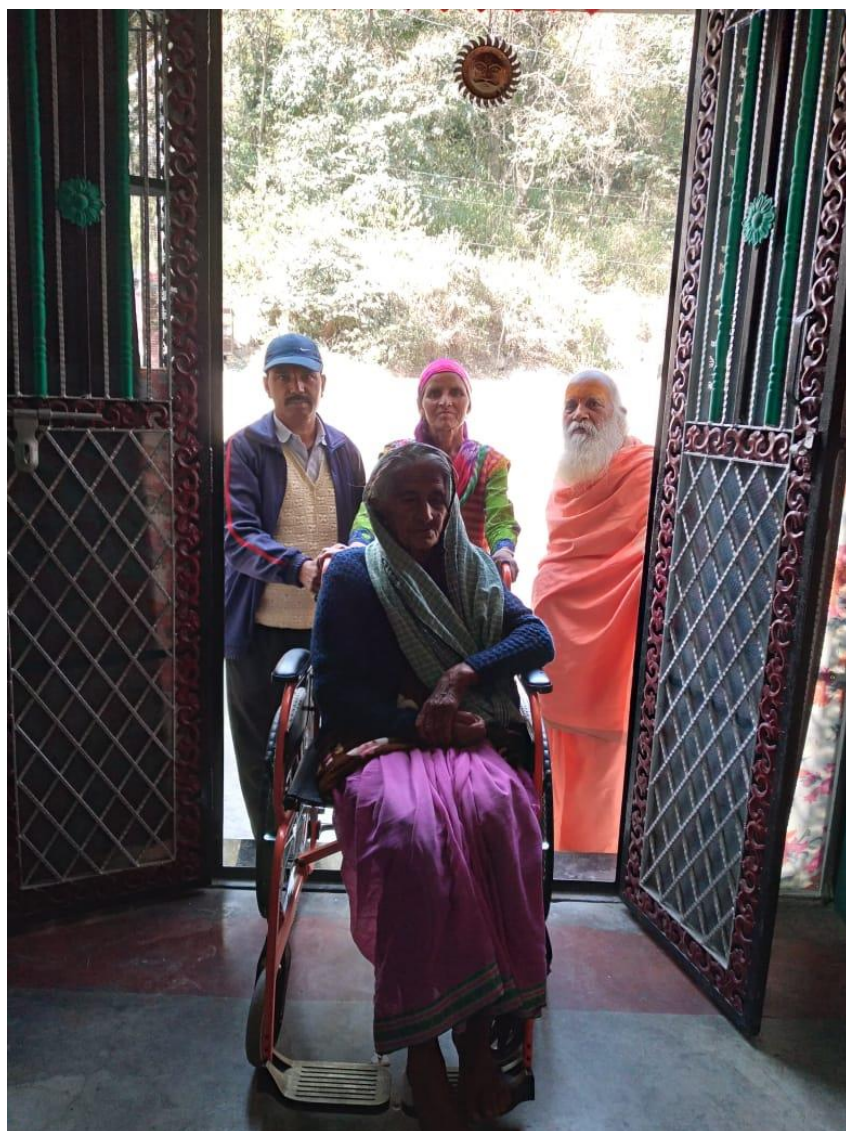
गोकुल संस्था द्वारा गोकुल केन्द्र में आयोजित आर्युवेदिक स्वास्थ्य शिविर

दिनांक 30 मई 2023

गोकुल आर्युवेदिक स्वास्थ्य केन्द्र बालावाला द्वारा गोकुल केन्द्र देहरादून में आर्युवेदिक स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन दिनांक 30.5.2023 को किया गया जिसमें डॉ. दिपिका जगूड़ी द्वारा 5 रोगियों की जांच के पश्चात निः शुल्क आर्युवेदिक दवायें प्रदान की गयी लाभार्थियों को निः शुल्क ब्लड प्रेशर जांच तथा शुगर की जांच निः शुल्क प्रदान की गयी।



गोकुल संस्था द्वारा लक्ष्मोली, जनपद टिहरी में श्रीमती शाखम्बरी देवी को स्वामी अद्वैतानन्द महाराज, संस्थापक शाश्वत धाम लक्ष्मोली की उपस्थिति में व्हील चेयर वितरण



गोकुल द्वारा शिक्षा हेतु सहायता



सार्वनिका कंडारी
पुत्री दिव्यांग श्रीमती प्रियंका कंडारी



आरुही रावत
पुत्री दिव्यांग श्रीमती सोनाली रावत



प्रिंस, बडकोट, उत्तरकाशी

बी०पी०एल



आदर्श उनियाल

दृष्टि बाध्यता

गोकुल द्वारा शिक्षा हेतु सहायता



शिवानी धीमान
अस्थि दिव्यांग



प्रियांशी राणा
बी०पी०एल



मनवर रावत
पोलियो ग्रस्त

गोकुल संस्था द्वारा लक्ष्मण सिद्ध मंदिर में आयोजित आर्युवेदिक स्वास्थ्य शिविर

दिनांक 27 दिसम्बर 2023

गोकुल आर्युवेदिक स्वास्थ्य केन्द्र बालावाला देहरादून द्वारा लक्ष्मण सिद्ध मंदिर में आर्युवेदिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन दिनांक 27.12.23 को किया गया जिसमें डॉ. दिपीका जगूड़ी द्वारा 35 रोगियों की जांच के पश्चात निःशुल्क आर्युवेदिक दवायें प्रदान की गयी। लाभार्थियों को निः शुल्क ब्लड प्रेशर जांच तथा शुगर की जांच निः शुल्क प्रदान की गयी।



मीडिया



स्वास्थ्य शिविर में 35 मरीजों को मिला इलाज

देहरादून। गोकुल संस्था की ओर बुधवार को लक्ष्मण सिद्ध मंदिर में निशुल्क आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इसमें 35 मरीजों को निशुल्क आयुर्वेदिक इलाज मिला। शिविर की शुरुआत लक्ष्मण सिद्ध मंदिर के महंत ने की। शिविर में आयुर्वेदिक फिजिशियन डॉ. दीपिका ने 35 मरीजों का इलाज किया। शिविर में मरीजों को निशुल्क दवाएं भी दी गईं। गोकुल संस्था की ओर से विपिन सिंह रावत और अवनीश, धीरज सिंह मौजूद रहे। शिविर में परमाध्यक्ष मोहन जगूड़ी ने गोकुल संस्था के कार्यों की जानकारी दी। मा.सि.रि.

देहरादून, 28 दिसंबर, 2023 दैनिक जागरण 15

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 35 लोगों की जांच

देहरादून : गोकुल संस्था ने लक्ष्मण सिद्ध मंदिर परिसर में निशुल्क आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर लगाया, जिसमें 35 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा दी।

गोकुल संस्था की सचिव मधु मैखुरी ने कहा कि संस्था के परमाध्यक्ष मोहन जगूड़ी के नेतृत्व में शिविर लगाया गया। फिजिशियन डा. दीपिका ने मरीजों का ब्लड प्रेशर, शुगर की जांच की। जिन लोगों में बीमारी के लक्षण पाए गए, उन्हें परामर्श दिया। संस्था की ओर से इस वर्ष 70 कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें करीब चार हजार लोगों ने विभिन्न सेवाओं का लाभ लिया। इस मौके पर विपिन सिंह रावत, धीरज सिंह, अवनीश आदि मौजूद रहे। (जासं)

गोकुल संस्था द्वारा लक्ष्मण सिद्ध मंदिर में आयोजित आर्युवेदिक स्वास्थ्य शिविर

दिनांक 10 मार्च 2024

गोकुल आर्युवेदिक स्वास्थ्य केन्द्र बालावाला देहरादून द्वारा लक्ष्मण सिद्ध मंदिर में आर्युवेदिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन दिनांक 10.03.24 को किया गया जिसमें डॉ. दीपिका जगूड़ी द्वारा 30 रोगियों की जांच के पश्चात निःशुल्क आर्युवेदिक दवायें प्रदान की गयीं। लाभार्थियों को निःशुल्क ब्लड प्रेशर जांच तथा शुगर की जांच निः शुल्क प्रदान की गयी।



मीडिया



गोकुल कृत्रिम अंग केन्द्र द्वारा आयोजित कृत्रिम अंग माप शिविर दिनांक 19 मार्च 2024



गोकुल कम्प्यूटर केन्द्र के Upgradation पर दिनांक 28.03.2024 को उदघाटन



गोकुल कम्प्यूटर केन्द्र के लाभार्थियों को सम्मानित करते हुये श्री मोहन जगूडी,
परमाध्यक्ष गोकुल संस्था



गोकुल कम्प्यूटर केन्द्र के लाभार्थियों के साथ श्री मोहन जगूडी, परमाध्यक्ष गोकुल संस्था,
सुश्री मधु मैखुरी, सचिव एवं श्रीमती गीता, कम्प्यूटर प्रशिक्षक



गोकुल कृत्रिम अंग केन्द्र द्वारा आयोजित कृत्रिम अंग शिविर दिनांक 29 एवं 30 मार्च 2024

के लाभार्थी



श्री सुनील कुमार, ग्राम कमसाल, जगोठ, रुद्रप्रयाग



श्री विजय लाल, ग्राम डोंगी पो ओ पठालीधार, जनपद रुद्रप्रयाग



मास्टर राघव गौड़, ग्राम दानकोट पो ओ किमाणा, जिला रूद्रप्रयाग

गोकुल कृत्रिम अंग केन्द्र द्वारा आयोजित कृत्रिम अंग शिविर दिनांक 29 एवं 30 मार्च 2024
के लाभार्थी



श्रीमती सुलोचना ग्राम खज्जलखेश्वर\उजेली गोफियारा, बरहट रेंज,उत्तरकाशी,उत्तरकाशी



श्रीमती सुदेश, भिक्कनपुर गाजियाबाद,उत्तर प्रदेश



श्री नीरज पासवान बिहार

गोकुल कृत्रिम अंग केन्द्र द्वारा आयोजित कृत्रिम अंग शिविर दिनांक 29 एवं 30 मार्च 2024
के लाभार्थी



श्री कपिल बारिया, देहरादून



श्री जगदीश प्रसाद नौटियाल ग्राम जवाडी, जिला रुद्रप्रयाग



श्री अजय, देहरादून

गोकुल कृत्रिम अंग केन्द्र के लाभार्थियों के साथ गोकुल संस्था परमाध्यक्ष श्री मोहन जगूडी एवं सचिव सुश्री मधु मैखुरी





नौ दिव्यांगों को लगाए निःशुल्क कृत्रिम अंग

देहरादून : गोकुल संस्था ने आर्थिक रूप से कमजोर नौ दिव्यांगों को निःशुल्क कृत्रिम अंग लगाए हैं। जिसमें उत्तराखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश के दिव्यांग शामिल हैं। शनिवार को गोकुल आर्टिफिशियल लिंब्स केंद्र में दिव्यांगों के लिए निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरण शिविर लगाया गया। संस्था की सचिव मधु मैखुरी ने बताया कि संस्था के परमाध्यक्ष मोहन जगुड़ी की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जिला रुद्रप्रयाग के सुनील कुमार, मास्टर राघव गीत, विजय, जगदीश नौटियाल, उत्तरकाशी की सुलोचना, बिहार के नीरज, गाजियाबाद के सुदेश, दून के कपिल कुमार के कृत्रिम अंग लगाए गए। (जासं)

घर > रविवार मानक

पोलियो से पीड़ित मधु मैखुरी के अपनी क्षमताओं पर भरोसे ने उनके विकास का मार्ग प्रशस्त किया

देहरादून से नरेंद्र सेठी लिखते हैं, जब सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी को पोलियो हो गया, तब उन्होंने दूसरों की मदद करने के अवसर देखे, जब वह

मुश्किल से 12 साल की थीं।



प्रकाशित: 30 अक्टूबर 2022 09:28 पूर्वाह्न | अंतिम अद्यतन:
30 अक्टूबर 2022 11:12 पूर्वाह्न



लगभग 25 वर्षों में मधु ने अपनी संस्था के माध्यम से 10,000 से अधिक दिव्यांगों की मदद की है। (फोटो | एक्सप्रेस)

नरेंद्र सेठी द्वारा

उत्तराखंड: जब मधु मैखुरी महज 12 साल की थीं, तब उन्हें एहसास हुआ कि उनके दोनों पैर पोलियोग्रस्त हैं। उसके आस-पास के लोगों की शुरुआती प्रतिक्रिया दया की थी, जो मधु को कभी पसंद नहीं थी। वह स्वतंत्र होना चाहती थी, लोगों की बाहरी सहानुभूति से मुक्त होकर अपने और दूसरों के लिए कुछ करना चाहती थी।

उत्तरांचल ग्रामीण बैंक से एक बैंक अधिकारी के रूप में सेवानिवृत्त, वह कहती हैं कि उनकी विकलांगता ने उन्हें आगे बढ़ने और अपने जैसे अन्य लोगों की मदद करने के कई अवसर प्रदान किए। मधु कहती हैं, "मुझे एहसास हुआ कि मेरे पास करने के लिए बहुत कुछ है।" उन्होंने गढ़वाल के एक सामाजिक कार्यकर्ता मोहन जगूड़ी से प्रेरणा लेकर 1997 में गोकुल संस्था की स्थापना की, जिनसे उनकी मुलाकात उनके कार्यालय में हुई थी। लगभग 25 वर्षों में, मधु ने अपनी संस्था के माध्यम से 10,000 से अधिक विकलांग लोगों को कृत्रिम अंगों सहित विभिन्न स्वास्थ्य लाभ और शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं में सहायता की है।

"जब मैं बच्चा था, मेरी माँ हर दिन मेरी दादी को रामायण सुनाती थी। कुछ चौपाइयों में भगवान राम के कष्टों का वर्णन किया गया है। मधु कहती हैं, "उन्हें सुनकर मुझे लगा कि मेरी शारीरिक पीड़ा अपेक्षाकृत कम है जिसके बारे में शिकायत नहीं की जा सकती।" "मैंने अपने माता-पिता से पूछा कि मेरी बीमारी क्या है, मैं इससे कैसे निपटूंगा और क्या इसका कोई इलाज है। वे बहुत आगे नहीं आ रहे थे। कुछ साल बाद, मेरे हाथ की सर्जरी हुई क्योंकि पोलियो ने मेरे दोनों पैरों और बाएं हाथ को प्रभावित किया था," मधु याद करती हैं। उन्होंने अकेले रहने का फैसला किया, "मैं अपने फैसले

का समर्थन करने के लिए अपने माता-पिता का आभारी हूँ।" वह जितने भी विकलांग लोगों से संपर्क कर सकीं, उन्हें 'बंधन सूत्र' बांधकर खुश हैं।



गोकुल संस्था को अपनी कार्यकुशलता एवं पवित्र उद्देश्यों के आधार पर सरकारी संरक्षण प्राप्त हुआ है। उत्तराखंड सरकार ने गोकुल के माध्यम से देहरादून में 11 बच्चों की मदद की है। सर्जरी में राज्य सरकार के समाज कल्याण विभाग ने वित्तीय सहायता की पेशकश की। परिवहन एवं अन्य व्यवस्थाएं शिक्षा विभाग द्वारा एवं सर्जरी की व्यवस्था स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गयी।

गोकुल द्वारा शुरू किए गए अभियान में, राज्य सरकार ने राज्य के सभी जिलों में 252 विकलांग बच्चों की मदद की है। 2000 में जब गोकुल अपनी स्थापना के तीसरे वर्ष में था, तब एक विशाल चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया था जिसमें 800 जरूरतमंद लोगों को तिपहिया वाहन, व्हीलचेयर और बैसाखी प्रदान की गई थी। संस्था ने परंपरा कायम रखी है। 2007 में, मधु ने देहरादून में गोकुल फिजियोथेरेपी सेंटर स्थापित करने में मदद की, जहां अब तक 4,070 लोग लाभान्वित हुए हैं। इसी प्रकार, 2010 में एक कृत्रिम अंग केंद्र स्थापित किया गया था और लगभग 502 व्यक्तियों को कृत्रिम अंग प्रदान किए गए हैं। रुद्रप्रयाग जिले के ग्राम बड़ली एवं कंडारा में गोकुल के सहयोग से संचालित केन्द्र के माध्यम से बच्चों एवं युवाओं को कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

मधु का यह भी मानना है कि अगर पहाड़ी इलाकों में दिव्यांगों के पुनर्वास के लिए सभी संस्थाएं मिलकर काम करें तो पलायन की सबसे बड़ी समस्या हल हो सकती है," वह कहती हैं।

October 31, 2022 / ChangeMaker, DifferentlyAble,
Efforts, purpose, Women Empowerment / By SLSV /
[Leave a Comment](#)

*Retired bank officer saw opportunities to help others
open up after polio struck her when she was hardly 12
years old, writes Narendra Sethi from Dehradun*

UTTARAKHAND: When Madhu Maikhuri was barely 12 years old, she realised both her feet were polio-affected. The initial reaction of the people around her was one of pity, something that Madhu never liked. She wanted to be [independent, free of the people's](#) outward sympathy and do something for herself and others.

Retired as a bank officer from Uttaranchal Gramin Bank, she says her disability presented her many opportunities

to grow and help others like her. "I realized I had so much to do," says Madhu. She founded Gokul Sanstha in 1997 with inspiration from Mohan Jagudi, a social activist from Garhwal, whom she met in her office. In about 25 years, Madhu has assisted over 10,000 [differently-abled people](#) in various recuperative and surgical procedures, including artificial limbs, through her Sanstha.

"When I was a kid, my mother recited the Ramayana to my grandmother every day. Some of the 'chaupais' described Lord Ram's sufferings. Listening to them I felt

my physical suffering was relatively too little to grudge about," says Madhu. "I asked my parents what my ailment was, how I would cope with it and whether there was any treatment it. They were not very forthcoming. A few years later, I had a surgery of my hand as polio had affected both my feet and the left hand," recalls Madhu. She decided to remain single. "I am grateful to my parents for supporting my decision." She is happy having tied the 'bandhan sutra' to as many disabled persons as she could get in touch with.



Gokul Sanstha has received government patronage on the basis of its performance and pious objectives. The Uttarakhand government, has helped 11 children in Dehradun through Gokul. In surgery, the state government's social welfare department offered financial assistance. Transport and other arrangements were made by the education department and the surgery was arranged by the health department.

In the campaign launched by Gokul, the state government has helped 252 disabled children across all districts of the state. In 2000 when Gokul was into the third year of its being, a huge medical camp was organized in which 800 needy people were provided three-wheelers, wheelchairs and crutches. The sanstha has kept up the tradition. In 2007, Madhu helped set up Gokul Physiotherapy Center in Dehradun where 4,070 people have so far benefited. Similarly, a prosthesis centre was set up in 2010 and around 502 persons have been provided with artificial limbs. Computer training is

being provided to children and the youth through a centre run in collaboration with Gokul at village Badli and Kandara in Rudraprayag district.

Madhu also believes that if all the institutions work together for the rehabilitation of the differently-abled in the hill areas, the biggest problem of migration can be solved," she says.

Article Credits: [The New Indian Express](#)